सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शनिवार, 15 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 78, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

कोसने वालों ने भी महाकुंभ में देखा सनातन धर्म का सामर्थ्य

इनसाइड बाबा आनन्देश्वर के भक्तों ने बाबा संग जमकर खेली होली... » Pg02

» Pg12

हनी ट्रैप में फंसा ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का चार्ज मैन

आईएसआई एजेंट रविन्द्र कुमार आगरा से गिरफ्तार

पाकिस्तान से घुमा दिया आगरा के शख्स का दिमाग, फिरोजाबाद में है तैनात । फेसबुक से फंसा जाल में

» सेना से जुड़े प्रोजेक्ट की जासूसी का मामला।

» लंबे समय से कर रहा था जानकारी लीक।

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ/आगरा। एटीएस ने आगरा से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी कर रहे फिरोजाबाद की ऑर्डिनेंस फैक्टरी के चार्ज मैन रविंद्र कुमार को गिरफ्तार किया है। उसे फेसबुक पर एक युवती की मदद से आईएसआई ने अपने जाल में फंसाया। नेहा शर्मा नाम की आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी गई। दोस्ती के दौरान प्यार भरी बातों में फंसा कर रविंद्र कुमार से जानकारी ली गई। रविंद्र के ऑर्डिनेंस फैक्टरी में काम करने का पता चलने पर गोपनीय दस्तावेज लिए गए। रविंद्र से पहले फेसबुक मैसेंजर पर बात होती थी। इसके बाद व्हाट्सएप नंबर लेकर फोन पर बातचीत भी शुरू हो गई। इस

नीलाब्जा चौधरी, एडीजी एटीएस

दौरान युवती ने रविंद्र कुमार से जानकारी लेना शुरू कर दिया।

वर्तमान में सेना से जुड़े कई प्रोजेक्ट पर ऑर्डिनेंस फैक्टरी में काम चल रहा है। कई बड़े उपकरण भी तैयार किया जा रहे हैं। रविंद्र कुमार से व्हाट्सएप पर कई

सारी जानकारी ले ली गई, जिस नंबर से बातचीत हो रही थी, वह खुफिया एजेंसियों के रडार पर था। इस आधार पर रविंद्र कुमार को पकड़ लिया गया।

रविंद्र के मोबाइल को चेक किया गया। उसमें से कई सारे गोपनीय दस्तावेज, जो व्हाट्सएप पर भेजे गए थे, उनको डिलीट कर दिया गया था। मामले में लखनऊ एटीएस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

रवींद्र कुमार फिरोजाबाद के हजरतपुर की आर्डिनेंस फैक्ट्री में चार्जमैन के पद पर तैनात था। वह काफी समय से खुफिया सूचनाएं लीक कर रहा था। एटीएस को इसके पास से कई अहम पुख्ता सबूत मिले हैं। वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के शिवपुरी का रहने वाला है। आगरा में रविंद्र कुमार सदर थाना क्षेत्र के बुंदु कटरा में रह रहा था। उसे आगरा से पकड़ा गया है। रवींद्र

मैसेंजर के जरिए शुरु हुई थी नेहा शर्मा से बातचीत

पकड़ा गया रविंद्र कुमार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के फैलाए हनी ट्रैप के जरिए महिला एजेंट से फंस गया था। नेहा शर्मा नाम की फेसबुक आईडी से पहले रवींद्र को रिक्वेस्ट भेजी गई। इसके बाद मैसेंजर के जरिए बातचीत शुरू हुई। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में नेहा ने खुद को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ा हुआ बताया। दोनों के बीच बातचीत बढ़ती गई। फेसबुक मैसेंजर से ही वॉट्सऐप नंबर की अदला-बदली हुई। फिर बात प्यार-मोहब्बत तक पहुंच गई।

और नेहा देर रात तक बातचीत करते थे। वीडियो कॉल भी करते थे। इस बात के रिकॉर्ड्स मिले हैं। जब रवींद्र पूरी तरह से नेहा के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के जाल में फंस गया तो वह उससे फिरोजाबाद के हजरतपुर में स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की कई महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी मांगने लगीं। उसने पैसों का लालच देकर गगनयान से जुड़ी जानकारियां इकट्ठा करने लगी। एटीएस को शख्स के मोबाइल से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की जरूरी डेली रिपोर्ट मिली हैं। इनमें ड्रोन, गगनयान प्रोजेक्ट और अन्य कई गोपनीय जानकारी, स्क्रीनिंग कमेटी का कॉन्फिडेंशियल लेटर बरामद हुआ।

एडीजी एटीएस नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि नेहा शर्मा नाम की आईडी पाकिस्तान से ऑपरेट हो रही थी। रवींद्र कुमार की गिरफ्तारी की सूचना उसकी पत्नी आरती को भी दी गई है। नेहा ने जासूस रविन्द्र से कहा कि वो भारत के विदेश और रक्षा मंत्रालय की जरूरी और गोपनीय सूचनाओं को इकट्ठा करके पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को शेयर करती है। इसका इस्तेमाल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी भारत सरकार के खिलाफ करती है। अगर वो उसकी मदद करेगा तो उसे इस काम के बदले में अच्छा पैसा मिलेगा।

कांशीराम जयंती

बोलीं बसपा प्रमुख- सत्ता की चाबी हासिल करना जरूरी

मायावती ने दी श्रद्धांजलि, एक्स पर खुद को बताया आयरन लेडी

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। यूपी का राजधानी लखनऊ में शनिवार को कांशीराम की जयंती मनाई गई। बसपा प्रमुख मायावती ने कांशीराम की 91वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पार्पित करके उन्हें नमन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती पर देशभर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हम सबने उनके सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के आंदोलन को और मजबूत करने का संकल्प लिया है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बहुजन समाज को गरीबी, बेरोजगारी, शोषण, उत्पीड़न, पिछड़ेपन, जातिवाद, सांप्रदायिक हिंसा और तनाव की कष्टपूर्ण जिंदगी से मुक्ति पाने के लिए उन्हें अपने बहुमूल्य वोट की ताकत को समझना होगा। बहुजन समाज को सत्ता की चाबी हासिल करना जरूरी है। यही आज का संदेश है। इस मौके पर मायावती ने खुद को आयरन लेडी बताया।

मायावती ने कहा कि यूपी की विशाल आबादी ने देखा है कि कैसे आयरन लेडी के नेतृत्व में बसपा कथनी से ज्यादा करनी में विश्वास रखती है। सत्ता में रहने के दौरान हमने बहुजनों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया। जबकि, अन्य दलों द्वारा किए गए अधिकांश दावे निराधार और भ्रामक साबित हुए। उन्होंने कहा कि 15 मार्च 1934 को पंजाब के रूपनगर में जन्मे कांशीराम ने पिछड़ा वर्ग के लोगों के उत्थान और राजनीतिक लामबंदी के लिए काम किया। उन्होंने 1971 में अखिल भारतीय पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी महासंघ (बामसेफ) की स्थापना की। 1981 में दलित शोषित समाज संघर्ष समिति की स्थापना की।

कहा कि 1984 में बसपा का गठन किया। कांशीराम 1991 में यूपी के इटावा से और 1996 में पंजाब के होशियारपुर से लोकसभा सदस्य चुने गए। 1998 से 2004 तक उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में भी काम किया। 9 अक्टूबर 2006 को 71 वर्ष की आयु में दिल्ली में उनका निधन हो गया।

बाबा आनन्देश्वर के भक्तों ने बाबा संग जमकर खेली होली

सजीव झाकियों ने किया मंत्रमुग्ध

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बाबा आनन्देश्वर के भक्तों ने होली का त्योहार बड़े ही उत्साह से मनाया। बाबा केबाबा भाबा तेरा रूप निराला, परमट में है डेरा डाला' के जयघोष के साथ भक्तों ने एक दूसरे के साथ जमकर होली खेली। इस अवसर पर फूलों के साथ अबीर गुलाल के रंगों से पूरा मंदिर ब्रजमय हो गया।

बाबा श्री आनन्देश्वर मित्र मण्डली ने इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें नगर व प्रदेश के कलाकारों द्वारा झांकियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत आचार्य पंडित प्रमोद तिवारी द्वारा बाबा के अभिषेक से की गई।

इसके बाद मित्र मण्डली ने बाबा आनन्देश्वर के साथ होली खेलने के लिए विशेष व्यवस्था की ।स इ अवसर पर भक्तों ने परिसर में ही एक दूसरे के साथ जमकर होली खेली ।बाबा के साथ होली खेलने की अद्भुद छटा देखते ही बन रही थी। भक्ती गीतों पर महत वशिष्ठ गिरी महराज कोठारी, अरूण भारती, विवेकपुरी महराज थाना पट्टी, तनपुरी महराज, महराज प्रधान पुजारी संजय मिश्रा. अनूप पुजारी, अजय सैनी, के0के0 तिवारी एवं मण्डली के सदस्य व शिव भक्त मंत्रमुग्ध होकर ढोल व बैंड की थाप पर जमकर भांगड़ा नाच कर रहे थे।

श्री ठाकुर जी विराजमान मन्दिर में होली का भव्य आयोजन

» मुस्लिम इलाके में स्थित मन्दिर पर कर लिया था अन्य धर्मों के लोगों ने कब्जा

» सनातन मठ मन्दिर रक्षा समिति के पदाधिकारी मंदिरों का कर रहे सरंक्षण

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।सनातन मठ मन्दिर रक्षा समिति ने श्री ठाकुर जी विराजमान मन्दिर, दलेल पुरवा में इस वर्ष होली पर्व को अत्यंत भव्य और श्रद्धामय वातावरण में मनाया। समिति द्वारा इस मंदिर को अधर्मियों से मुक्त कराकर जीर्णोद्धार करवाया है। जिससे अब यहां विधिवत पूजन-अर्चन हो रहा है।समिति ने मंदिर को अधर्मियों के कब्जे से मुक्त कराकर इसकी गरिमा को पुनर्स्थापित किया है।

जीर्णोद्धार एवं पूजन-मंदिर के पुनर्निर्माण के उपरांत नियमित पूजन-अर्चन प्रारंभ हो चुका है, जिससे श्रद्धालुओं में नई आस्था का संचार हो रहा है।

इस पावन अवसर पर भक्तगण एकत्रित होकर आध्यात्मिक उल्लास के साथ होली का पर्व मनाया। जिससे समाज में एकता और भाईचारे का संदेश जाएगा।

समिति के उपाध्यक्ष सुधीर द्विवेदी ने कहा, हमारा लक्ष्य केवल मंदिरों की रक्षा करना नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को सशक्त करना भी है। यह आयोजन समाज में धार्मिक चेतना जागृत करने का एक प्रयास है।

होली के अवसर पर श्री ठाकुर जी विराजमान मंदिर प्रांगण में सभी भक्तजनों भगवान के साथ अबीर गुलाल लगाकर होली खेली जिससे आपस में भाईचारा बढे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समिति के महामंत्री प्रेम कुमार दीक्षित, मंत्री रविशंकर तिवारी, मीडिया प्रभारी शुभम तिवारी, कोषाध्यक्ष हरि शुक्ला, जिला अध्यक्ष कानपुर नगर उमेश तिवारी, उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, हरि मोहन गुप्ता, राघवेंद्र श्रीवास्तव बेटू तिवारी, एवं सौरभ शुक्ला आदि उपस्थित रहे। अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे के गले मिले और होली की शुभकामनाएं दी ।सनातन मठ मन्दिर रक्षा समिति लगातार उन मंदिरों को कब्जा मुक्त कराने एवं उनके जीर्णोद्धार के लिए कार्यरत है, जो विभिन्न कारणों से उपेक्षित हो गए थे। समिति का उद्देश्य सनातन संस्कृति एवं धार्मिक धरोहरों की रक्षा करना है, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने मूल संस्कृति से जुड़ी रहें।

आज मैं ऊपर आसमां है नीचे...

राष्ट्रपति ने किया ककवन की बेटी आयुषी को सम्मानित

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। ग्रामीण अंचल के ककवन कस्बे के अटल नगर मोहल्ले की आयुषी यादव ने गुरु जम्भेश्वर युनिवर्सिटी ऑफ साइंस और टेक्नोलॉजी हिसार हरियाणा में आयोजित दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों एमफार्मा में गोल्ड मेडल हासिल कर अपने परिजनों और क्षेत्र को गौरांवित किया है। सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ0 नवाब सिंह यादव की बेटी आयुषी ने अपनी शिक्षा कानपुर के कैलाश सरस्वती इंटर कालेज से पूरी की। इसके बाद पीएसआईटी कानपुर से बी फार्मा किया। फिर गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस और टेक्नोलॉजी से एमफार्मा में यह उपलब्धि हासिल की है। आयुषी के भाई अनिल यादव पेशे से शिक्षक हैं। आयुषी ने दूरभाष पर हुई वार्ता में बताया कि हमेशा से कुछ अलग करके की तमन्ना थी। यही वजह है कि पारंपरिक डिग्रियों की पढ़ाई से हटकर इस क्षेत्र में जाने का फैसला किया। जिसमें यहां तक पहुंचकर सुकून महसूस कर रही हूँ।

आज मैं ऊपर आसमां है नीचे....कुछ इसी अंदाज में आयुषी।

बिल्हौर की प्राचीन शाही मस्जिद में कुरआन शरीफ की तिलावत मुक़म्मल

- बारहवीं तरावीह में कुरआन का पाठ किया गया मुकम्मल
- नमाज के बाद विशेष महफ़िल का किया गया आयोजन
- सैकड़ों लोगों ने देश में अमन चैन की दुआ मांगी

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर) ।रमजान के पवित्र महीने में बिल्हौर कस्बा स्थित प्राचीन शाही मस्जिद में बारहवीं तरावीह की नमाज में हाफिज तालिम चिश्ती ने कुरआन पाक का पाठ मुकम्मल किया ।जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। हाफिज को लोगों ने फूल माला पहनाकर मुबारक बाद पेश की।

तरावीह की नमाज के बाद एक विशेष महफ़िल का आयोजन किया गया। जिसमे रमजान पाक के महीने के बारे में लोगों को बताया गया। कहा कि साल के 11 माह में नेकियों का बदला अल्लाह फरिश्तों से दिलवाता हैं, लेकिन रमजान माह में जो नेकी करते हैं, उसका बदला अल्लाह खुद देते हैं। उन्होंने लोगों से रोजा रखने, कुरान की तिलावत करने व इबादत करने की बात कही। साथ ही रमजान में दिन का रोजा रखने और रात में तरावीह की नमाज एहतमाम के साथ पढ़ने की बात कही। इसके बाद सभी ने खास दुआएं मांगी ।इस मौके पर शाही मस्जिद के इमाम मौलाना राकिमुल कादरी बिल्हौर चेयरमैन इखलाक खान, मोहम्मद रफीक एडवोकेट, खुशनवाज रहमानी, खुशतर रहमानी, आफान, उवैश, असफाक, मतलूब, आजाद, इरशाद, गुड्डू, अलीम खा,विनय गौतम समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

दोस्तों के साथ होली खेलकर लौट रहे युवक की हादसे में मौत

» गोवंश को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पोल से टकराई

» बिल्हौर के बीआरडी कॉलेज के सामने हुई दुर्घटना

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। कन्नौज से अपने दो साथियों के साथ कार से होली पर्व पर ननिहाल से रंग खेलकर घर लौट रहे तभी बिल्हौर कस्बे में बीआरडी स्कूल के सामने जीटी रोड़ पर तेज रफ़्तार कार के सामने गोवंश आ गया। गोवंश को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंबे से जा टकराई। जिसमें एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक डेरापुर थाना क्षेत्र के कोहिमा गांव निवासी 40 वर्षीय नीरज सिंह होली के पर्व पर अपने दो दोस्तों मोहित और दीपक के साथ कन्नौज के पट्टीपुरवा गांव स्थित ननिहाल गए थे।

शुक्रवार शाम घर वापसी के दौरान बिल्हौर के बीआरडी स्कूल के सामने अचानक कार के सामने आए गौवंश को बचाने के प्रयास में कार पहले गोवंश से टकराई और फिर अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा भिड़ी।

जिससे कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को बिल्हौर सीएचसी में भर्ती कराया। जहाँ डॉक्टरो की टीम ने नीरज को मृत घोषित कर दिया।

नीरज की मौत की ख़बर ज़ब उसके परिजनों तक पहुंची तो परिजनों में चीख पुकार मच गई। मृतक नीरज के दोनों दोस्तों के मामूली चोट आई है।

सम्पादकीय

जुनून के जज्बे से क्रिकेट में बादशाहत

होली से पहले ही हमारी क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर उल्लास-उमंग का ऐसा रंग दिया कि हर भारतीय निखर उठा। होली से पहले देश में दिवाली का भी जश्न मना। देश के कोने-कोने ही नहीं, दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खूब तिरंगे लहराये। वहां तन-मन पर तिरंगे अहसास मुखरित हुए। निरंतर जीत की लय में नजर आ रही टीम ने देश की धड़कनों को उस समय ऊंचाई दी जब फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। एक ऐसी जीत जिस पर हर भारतीय गर्व कर सके। यह भारतीय क्रिकेट डिप्लोमेसी की भी बड़ी जीत थी, जिसने बताया कि क्रिकेट जगत में भारत के दखल का कोई विकल्प नहीं है। इस बार चैंपियन ट्रॉफी का आयोजक पाकिस्तान था, जिसने स्टेडियम तैयार करने और अपनी धरती पर यह वैश्विक स्पर्धा आयोजित करने को जी-जान लगायी और पैसा खर्च किया। लेकिन बावजूद इसके आईसीसी में भारतीय वर्चस्व के चलते हमारी टीम ने कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं खेला। भारत ने सारे मैच तीसरे देश दुबई में खेले। फिर चैंपियंस ट्रॉफी भी जीत ली। भारत ने जून, 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। कप्तान रोहित शर्मा को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उनकी कप्तानी में देश ने दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीता। सही मायनों में फाइनल में उन्होंने कप्तान की पारी खेली और शानदार-धुआंधार 76 रन बनाये। निश्चित रूप से फाइनल मैच में स्पिनरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कसे शिकंजे का ही नतीजा था कि न्यूजीलैंड को 251 पर बांध दिया गया। फिर रोहित की पारी के अलावा श्रेयस अय्यर व केएल राहुल की शानदार पारियों ने टीम को जीत के मुहाने तक पहुंचाया। ओपनर्स रोहित शर्मा और शुभमन गिल की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी ने टीम में जीत का जज्बा पैदा किया। दोनों धुरंधरों ने पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े।

बहरहाल, बारह साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी में जीता खिताब भारतीयों को उल्लास से भर गया। वहीं टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में पच्चीस साल पहले न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार का भी बदला ले लिया। सुखद यह भी है कि हमारी टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय टीम तीन बार चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बन गयी। यह भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिये निश्चय ही गर्व की बात है। भारतीय टीम की उपलब्धि यह भी है कि उसने आईसीसी इवेंट्स में पिछले 14 मैच लगातार जीते हैं। गर्व का पल यह भी है कि भारत के पास एक ही समय में टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब है।इस बात को लेकर निराशा जरूर हुई होगी कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे विराट कोहली फाइनल मुकाबले में सिर्फ दो गेंदों का ही सामना कर पाए। लेकिन श्रेयस अय्यर व केएल राहुल ने इस कमी को पूरा किया। बहरहाल, टॉस के मामले में अनलकी रहने वाले रोहित शर्मा ने होली से पहले क्रिकेट की जीत के रंग में भारतीयों को सराबोर कर दिया। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने अपनी जमीन पर वर्ष 2023 के वर्ल्ड कप में मिली पराजय के बाद जीत का जबरदस्त जज्बा पैदा किया। तब लगातार दस मैच जीतने के बावजूद टीम फाइनल में हार गई थी। लेकिन टीम ने वैसी गलती फिर नहीं दोहरायी। पहले 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप जीता और अब चैंपियंस ट्रॉफी। यह जीत की लय बनी रहे।

ऋषिकर्म के बावजूद अधूरा रह गया सपना

राजेन्द्र शर्मा

वह जीवन भर किसी एक माध्यम के मोहताज नहीं रहे। तैलरंग, जलरंगी चित्र, रेखांकन, कोलाज, जले हुए कागज से तैयार किये गये म्यूरल, सिरेमिक, मूर्तिशिल्प, सीमेंट, क्रंकीट, जाली, लोहे के सरियों, हीरे आदि किसी भी माध्यम और मैटेरियल से वह कलाकृतियों को सिरज देते।

बीती सदी के पांचवें दशक से भारतीय मूर्तिकला के शीर्षस्थ स्तम्भ हिम्मत शाह का सपना था कि नये और साधनहीन ऐसे कलाकार, जिनके पास काम करने के लिए अपना स्टूडियो नहीं हो, उनके लिए वह एक शानदार स्टूडियो बनायेंगे। इस सपने को साकार करने के लिए हिम्मत शाह अपनी चुनी हुई जिंदगी के एकांत में अनवरत रूप से कला साधना करते रहे। तमाम माध्यमों में काम करते हुए अंततोगत्वा समकालीन भारतीय मूर्तिकला के शीर्षस्थ स्तम्भ के रूप में स्थापित हुए। उनके स्कल्पचर अंतर्राष्ट्रीय कला बाजार में लोगों ने करोड़ों में खरीदे। इस कमाई को हिम्मत शाह ने अपने सपने का पूरा करने में लगाया। उनका यह सपना उनके 90वें जन्मदिन पर साकार होता दिखाई दिया।

जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में चार मंजिले विशाल स्टूडियो में पेंटिंग, मूर्तिकला, प्रिंटमेकिंग, सिरेमिक के लिए अलग-अलग जगह हैं। सोलर सिस्टम, लिफ्ट, एयर कंडीशनर और अन्य गैजेट्स से सुसज्जित इस स्टूडियो की कांच की दीवारें मनमोहक दृश्य पेश करती हैं। बानवें साल के हिम्मत शाह इस स्टूडियो को अन्तिम रूप में देने में जुटे थे कि दो मार्च, 2025 की सुबह दिल के दौरे ने उनकी सांसों को रोक दिया। शिद्दत से देखा और संपूर्ण जीवन शिद्दत से रचा हिम्मत शाह का सपना पूरा नहीं हो सका।'स्टिल आई एम यंग' बानवें साल की उम्र में अपने आप को यंग बताना, हिम्मत शाह की अदम्य जिजीविषा को रेखांकित करती थी। भारतीय समकालीन मूर्तिकला के शीर्षस्थ कलाकार हिम्मत शाह का पूरा जीवन कला को समर्पित रहा। इसके बावजूद वह अपने जीवन की अन्तिम दिन तक थके नहीं। जब अपने मिलने वालों के बीच 'अभी बहुत काम करना है मुझे, एक सौ बीस साल तक जीऊंगा मैं' यह जुमला उछाल कर जब ठहाका लगाते तो वातावरण ठहाकों से भर जाता। उनकी इस जिंदादिली को देखकर हर कोई मान लेता कि एक सौ बीस न सही, सौ का आंकड़ा तो हिम्मत शाह जरूर पूरा करेंगे।गुजरात के लोथल में 22 जुलाई, 1933 को जैन परिवार में जन्मे हिम्मत शाह का जन्म ही कला के लिए हुआ था। व्यावसायिक परिवार में जन्मे हिम्मत शाह ने दस साल की उम्र में घर छोड़कर कला को चुना। सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर हिम्मत शाह ने एमएस यूनिवर्सिटी बड़ौदा में अपने गुरु ख्यात कलाकार एनएस बेंद्रे से कला की बारीकियां सीखीं। वर्ष 1967 में फ्रांसीसी सरकार की छात्रवृत्ति पर दो साल के लिए पेरिस गये। वहां एटलियर 17 में प्रिंटमेकर एसडब्ल्यू हेटर और कृष्णा रेड्डी के अधीन अध्ययन किया। देश में इन्स्ट्रॉलेशन का दौर बहुत बाद में आया पर हिम्मत शाह ने पचास के दशक में ही 'बर्न पेपर कोलाज' जैसा इन्स्ट्रॉलेशन रच दिया था। जिसे देखकर उस समय के प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने कहा था कि भाई, मैं तो अनाड़ी हूं, इसके बारे में थोड़ा विस्तार से बताओ मुझे।

हिम्मत शाह कहते थे कि उनके गुरु बेंद्रे साहब ने कहा था कि मैं तुम्हें आर्ट नहीं सिखा सकता आर्ट तुम्हें खुद ही ढूंढ़ना पड़ेगा ज्यदि तुम्हें आर्ट समझ में आ गई तो आ गई, नहीं तो सात जन्मों तक समझ नहीं आयेगी।अपने गुरु एनएस बेंद्रे का गुरु मंत्र हिम्मत शाह को इस कदर समझ आया कि वह जीवन भर किसी एक माध्यम के मोहताज नहीं रहे। तैलरंग, जलरंगी चित्र, रेखांकन, कोलाज, जले हुए कागज से तैयार किये गये म्यूरल, सिरेमिक, मूर्तिशिल्प, सीमेंट, क्रंकीट, जाली, लोहे के सरियों, हीरे आदि किसी भी माध्यम और मैटेरियल से वह कलाकृतियों को सिरज देते। उन्होंने वास्तुशिल्प, भित्ति चित्र, टेराकोटा और कांस्य में अमूर्तन का इतिहास रचा। अपने सृजन की प्रक्रिया में काम आने वाले, मूर्ति तराशने, आकार देने और ढालने के लिए कई तरह के हाथ के औजारों, ब्रुश और उपकरणों को उन्होंने खुद ईजाद किया। सीमेंट और क्रंकीट में भित्ति चित्र भी उन्होंने सिरजे। जयपुर के अपने लगभग पच्चीस बरस के प्रवास में उन्होनें मूर्तिकला में एक अनूठी शैली विकसित की और उनकी कलाकृतियां दुनियाभर में प्रसिद्ध हुई। कृतियों में कांस्य और टेराकोटा माध्यम का अदभुत प्रयोग देखने को मिलता है। ताउम्र कला के प्रति उनकी दीवानगी एक छोटे बच्चे की मानिंद बनी रही।

छोटे परमाणु रिएक्टर बदलेंगे ऊर्जा का परिदृश्य

विकास

ललित गर्ग

भारत में ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ रही है और मॉड्यूलर रिएक्टर इस मांग को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। मॉड्यूलर रिएक्टर के विकास से भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में आत्मनिर्भर बन सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर के विकास में कुछ चुनौतियां और चिंताएं भी हैं।विश्व में हाल में परमाणु ऊर्जा की तरफ नई दिलचस्पी पैदा हुई है और इसकी मुख्य वजह यह कि विभिन्न देश अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर गमन करना चाहते हैं। जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दों को हल करने के लिए कई देश परमाणु ऊर्जा को एक स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत के रूप में देख रहे हैं।

परमाणु ऊर्जा ने पिछले 50 वर्षों में पहले ही लगभग 70 गीगाटन (70 अरब मीट्रिक टन) कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम किया है, और इसका निरंतर विस्तार नेट जीरो इमिशन (हानिकारक उत्सर्जन के उन्मूलन) के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

आने वाले समय में एआई सिस्टम के संचालन के लिए निरंतर ऊर्जा आपूर्ति की जरूरत पड़ेगी। पारंपरिक ऊर्जा स्रोत एआई सेक्टर की मांग पूरी नहीं कर सकते। इस समय सिर्फ परमाणु ऊर्जा ही इस जरूरत को पूरा कर सकती है। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण और मौजूदा संयंत्रों को अपग्रेड करना शामिल है। दुनिया में अब बड़े परमाणु रिएक्टरों के बजाय छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों का चलन बढ़ रहा है। भारत भी मॉड्यूलर रिएक्टरों के मामले में किसी से पीछे नहीं रहना चाहता।

अभी हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने आधुनिक परमाणु रिएक्टरों को संयुक्त रूप से विकसित करने की मंशा व्यक्त की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि ऊर्जा सुरक्षा

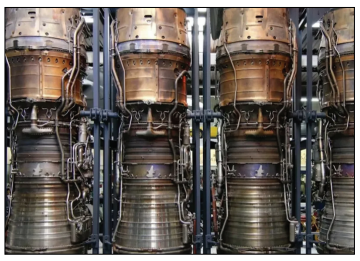

और कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के लिए परमाणु ऊर्जा महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) और एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों (एएमआर) के बारे में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारत और फ्रांस ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और कम कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर गमन के लिए परमाणु ऊर्जा एनर्जी मिक्स (विभिन्न ऊर्जा स्रोत) का एक अनिवार्य हिस्सा है। एसएमआर कॉम्पैक्ट परमाणु विखंडन रिएक्टर हैं जिन्हें कारखानों में निर्मित किया जा सकता है और फिर कहीं और स्थापित किया जा सकता है। वे आम तौर पर पारंपरिक परमाणु रिएक्टरों की तुलना में कम क्षमता वाले होते हैं।

मॉड्यूलर रिएक्टर मॉड्यूलर डिजाइन पर आधारित होता है। यह रिएक्टर छोटे और मॉड्यूलर इकाइयों में बनाया जाता है जिन्हें एक साथ जोड़कर एक बड़ा रिएक्टर बनाया जा सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर छोटे आकार में बनाए जा सकते हैं, जिससे उन्हें आसानी से ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर की लागत कम होती है, क्योंकि उन्हें मॉड्यूलर इकाइयों में बनाया जाता है। मॉड्यूलर रिएक्टर में पैसिव कूलिंग सिस्टम जैसे कई सुरक्षा उपाय होते हैं। इनकी दक्षता बढ़ाने के लिए कई तकनीकों का उपयोग किया जाता है। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) छोटे आकार के रिएक्टर होते हैं जो 10-100 मेगावाट की क्षमता वाले होते हैं।

एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों में उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाता है, जैसे कि पैसिव सुरक्षा प्रणाली, उन्नत ईंधन चक्र और उन्नत नियंत्रण प्रणाली। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को सेफ्टी के लिए डिजाइन किया जाता है। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को लागत की दृष्टि से प्रभावी बनाया जाता है। इंटीग्रल प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर (आईपीडब्ल्यूआर) और हाई-टेम्परेचर गैस-कूल्ड रिएक्टर (एचटीजीआर) एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों के कुछ उदाहरण हैं। आईपीडब्ल्यूआर रिएक्टर एक एकल इकाई में प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर और टर्बाइन को एकीकृत करते हैं जबकि एचटीजीआर रिएक्टर उच्च तापमान पर काम करते हैं और गैस कूलिंग का उपयोग करते हैं।

निःसंदेह, एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों का विकास और उपयोग परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि सुरक्षित, कुशल और लागत-प्रभावी ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर का उपयोग विद्युत उत्पादन के अलावा उद्योगों में ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इनका उपयोग विभिन्न चिकित्सा अनुप्रयोगों में भी किया जा सकता है। रेडियो आइसोटोप उत्पादन के लिए छोटे रिएक्टर बहुत उपयोगी होंगे।

चिलचिलाती हुई धूप में इस्तेमाल करें सनस्क्रीन

स्किन चमकेगी शीशे की तरह

गर्मियों में त्वचा की देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। गर्मी में धूप से बचना बेहद मुश्किल होता है। कभी-कभी ना चाहते हुए भी आपको किसी न किसी जरूरी काम से घर के बाहर निकलना ही पड़ता है। ऐसे में ज्यादातर लोग धूप और लू से सुरक्षित रहने के लिए फुल स्लीव कपड़ों से लेकर सनग्लास लगाने तक सभी तरीके आजमाते हैं। लेकिन त्वचा को हर हिस्से को धूप से बचाना मुश्किल होता है। इसलिए कई लोग बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते है।

गर्मियों का मौसम शुरु हो चुका है। ऐसे में अपनी त्वचा का ध्यान रखना भी काफी जरूरी होता है। गर्मियों में त्वचा पर टैनिंग सबसे ज्यादा होती है। सनटेन से बचाने के लिए आप इन बेहतरीन सनस्क्रीन क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गर्मियों के लिए आप लोटस हर्बल के इस सनस्क्रीन जेल को अपने चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं। इसे लगाने के बाद आपकी स्किन धूप से प्रोटेक्ट हो जाती है, जैसे कि धूप स्किन को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। यह आपकी स्किन को धूप से बचाएगा क्योंकि इसमें 50 पीए+++ होता है।

यह Mamaearth Sunscreen सबसे ज्यादा बिकने सनस्क्रीन में से एक है। यह आपको सूरज की हानिकारक किरणों से बचाती हैं। इसे लगाने के बाद 6 घंटे तक चलती हैं। यह best sunscreen for face भी हैं। इसका इस्तेमाल ऑयली और मुहांसे वाली त्वचा पर कर सकते है।

इसमे एसपीएफ 55 के साथ बने इस लोशन में एवोकाडो के गुण मौजूद हैं, जो आपको धूप की किरणों से ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचने देगा। इसे घर से बाहर निकलने से पहले जरूर स्किन पर लगाएं। यह गैर-चिपचिपाट और हल्का जेल सनस्क्रीन जो 97 प्रतिशत तक हानिकारक सूरज की किरणों को रोकता है। यह सनबर्न, काले धब्बे, समय से पहले बूढ़ा होना और त्वचा का काला पड़ना रोकता है। यह हाइपोएलर्जेनिक और नॉन-कॉमेडोजेनिक है। यह सनस्क्रीन त्वचा विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण किया गया है। इसका उपयोग सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त है। गुड़ वाइब्स सनस्क्रीन वाटर वेस्ड सनस्क्रीन है। ऑयल फ्री सनस्क्रीन जो धूप के किरणों से बचाता है। गुड़ वाइब्स सनस्क्रीन ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन पर उपलब्ध है।

कन्याकुमारी : ये स्पॉट जरूर करें एक्सप्लोर

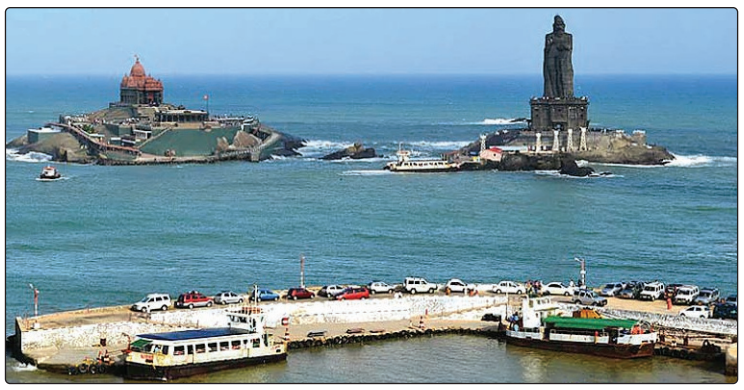

घूमने का शौक रखने वाले लोग हमेशा नई-नई जगह पर जाना चाहते हैं। अगर आप भी घूमने की शौकीन हैं, तो आप दक्षिण भारत घूमने का प्लान बना सकते हैं। वैसे तो दक्षिण भारत में ऐसी तमाम जगह हैं, जहां पर आप घूमने के लिए पहुंच सकते हैं। आप दक्षिण भारत में बसा कन्याकुमारी शहर एक्सप्लोर कर सकते हैं। कन्याकुमारी में आपको प्राकृतिक खूबसूरती, प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्म का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कन्याकुमारी की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप घूमने के दौरान अपने एक्सपीरियंस को यादगार बना सकते हैं।

विवेकानंद रॉक मेमोरियल

कन्याकुमारी आने के दौरान आपको विवेकानंद रॉक मेमोरियल जरूर आना चाहिए। यह मेमोरियल समुद्र के बीच स्थित एक विशाल चट्टान पर बना है। यह स्थान स्वामी विवेकानंद के जीवन और योगदान को समर्पित है। उन्होंने साल 1892 में इस स्थान पर ध्यान लगाया था। आप यहां पर नांव से पहुंच सकते हैं और एक अलग तरह का एक्सपीरियंस ले सकते हैं।

तिरुवल्लुवर स्टैच्यू

कन्याकुमारी में आप तिरुवल्लुवर स्टैच्यू को देखना न भूलें। यह विशाल प्रतिमा तमिल साहित्य के महाव कवि और संत रहे तिरुवल्लुवर को समर्पित है। तिरुवल्लुवर ने तिरुक्कुरल नामक ग्रंथ की रचना की थी।

महाव कवि और संत रहे तिरुवल्लुवर की प्रतिमा कन्याकुमारी तट के समीप समुद्र के बीच स्थित है। यह अपनी अद्भुत और वास्तुकला के लिए जाना जाता है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको कन्याकुमारी तट से नाव की सवारी करनी पड़ती है।

आपको इस पैलेस तक जाने के लिए बस या टैक्सी करनी होगी। यह एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको जाकर बहुत अच्छा लगेगा।

कन्याकुमारी न सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है। बल्कि यहां पर आपको स्थानीय व्यंजन का भी लुत्फ उठा सकते हैं। दक्षिण भारतीय मसाले, नारियल और समुद्री खाना अपने अनोखे स्वाद के लिए जाना जाता है।

कन्याकुमारी के बाजारों और रेस्तरां में आप पारंपरिक व्यंजनों का एक्सपीरियंस ले सकते हैं। यहां का खाना स्वाद और सादगी से भरपूर होता है।

कन्याकुमारी देवी मंदिर

बता दें कि कन्याकुमारी की पहचान कन्या कुमारी देवी मंदिर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है। हिंदू धर्म में यह मंदिर आस्था का केंद्र है और यह मंदिर देवी कन्याकुमारी को समर्पित है।

कन्याकुमारी को शक्ति और सादगी का प्रतीक माना जाता है। इस मंदिर का आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व के अलावा इसके खूबसूरत वास्तुकला हर भक्त औकर पर्यटक के लिए बेहद खास है। अगर आप भी यहां जाने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह 04:30 से लेकर 12:30 तक और शाम को 04:00 बजे से रात 08:00 बजे तक जा सकते हैं।

डेली पिएं एप्पल साइडर विनेगर

मक्खन की तरह पिघल जाएगी पेट की चर्बी... !

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से मोटापा बढ़ने लगता है। जिस वजह से पर्सनालिटी पर भी काफी असर पड़ता है। मोटापे की वजह से आत्मविश्वास कहीं खो जाता है। अगर आप बढ़ते हुए वजन से परेशान हैं तो आप भी सेब का सिरका का सेवन कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य

आज के समय सबसे ज्यादा लोग मोटापे से परेशान है। मोटापा की वजह से कई खतरनाक बीमारियां बढ़ने लगती है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो आज से ही सेब का सिरका का सेवन शुरु कर दें। एप्पल साइडर विनेगर (एसीवी) ने वजन घटाने के लिए एक संभावित सहायता के रूप में लोकप्रिय है, सेब का सिरका के मुख्य रुप से विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के कारण जाना जाता है। किण्वित सेब के रस से बने,ष्टङ्क में एसिटिक एसिड होता है, जो इसके वजन घटाने के प्रभावों में योगदान देने वाला प्रमुख यौगिक माना जाता है।

एप्पल साइडर वजन घटाने में कैसे मदद कर सकता है

भूख को कंट्रोल

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि एसीवी तृप्ति की भावना को बढ़ाकर भूख को कम करने में मदद कर सकता है। इससे संभावित रूप से समय के साथ कैलोरी की मात्रा कम हो सकती है।

रक्त शर्करा विनियमन

एसीवी रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने और इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करने में मदद कर सकता है। स्थिर रक्त शर्करा का स्तर लालसा को कम करने और वजन प्रबंधन में सहायता कर सकता है।

मेटाबॉलिज्म बूस्ट

एसीवी में मौजूद एसिटिक एसिड मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा दे सकता है, जो वसा जलने और ऊर्जा व्यय को बढ़ा सकता है।

पाचन स्वास्थ्य

माना जाता है कि एसीवी पेट में एसिड उत्पादन को बढ़ाकर पाचन में सहायता करता है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार कर सकता है और पाचन में मदद कर सकता है।

डिटॉक्स करता

एसीवी को अक्सर एक विषहरण एजेंट के रूप में जाना जाता है जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को साफ करने में मदद करता है, हालांकि इसका समर्थन करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं।

मॉर्निंग डिटॉक्स ड्रिंक

अपने दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म पानी में 1-2 बड़े चम्मच एसीवी मिलाकर करें। यह आपके चयापचय को किकस्टार्ट करने और पूरे दिन वसा जलने को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

भूख कंट्रोल करता है

भोजन से पहले, अपनी भूख को नियंत्रित करने के लिए पानी और एसीवी का मिश्रण पियें। इससे कैलोरी की मात्रा कम हो सकती है और वजन घटाने में सहायता मिल सकती है। घर में बने सलाद ड्रेसिंग के आधार के रूप में,ष्टङ्क का उपयोग करें। यह न केवल स्वाद बढ़ाता है बल्कि रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने में भी मदद करता है, जिससे क्रेविंग को रोका जा सकता है।

पाचन में सहायता और वसा संचय को रोकने के लिए भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में पतला एसीवी पियें। यह आपके शरीर की भोजन को कुशलता से तोड़ने की क्षमता को बढ़ा सकता है।

मेटाबॉलिज्म बढ़ाने वाला अमृत पाने के लिए एसीवी को शहद, नींबू और दालचीनी के साथ पानी में मिलाएं। इससे ऊर्जा व्यय बढ़ाने और वजन घटाने के प्रयासों का समर्थन करने में मदद मिल सकती है।

***नोट:** इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।*

आज बिरज में होली रे रसिया...

फाग गीतों के साथ रंगों से हुए सराबोर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।होली का त्योहार रंगों और उमंग का प्रतीक है, जिसे पूरे जनपद कानपुर देहात में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस त्योहार की खासियत केवल रंग-गुलाल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके पारंपरिक फाग गीत भी होली के माहौल को जीवंत बना देते हैं। होली के त्योहार पर कई तरह के गीत सुनने को मिलते हैं, लेकिन पारंपरिक फाग गीतों की अपनी खास अहमियत होती है। फाग गीत होली का पर्याय माने जाते हैं और बिना इनके होली का उल्लास अधूरा सा लगता है। फाग गीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि इनमें भारतीय सेना संस्कृति, सामाजिक सौहार्द्र और परंपराओं की झलक देखने को मिलती है।

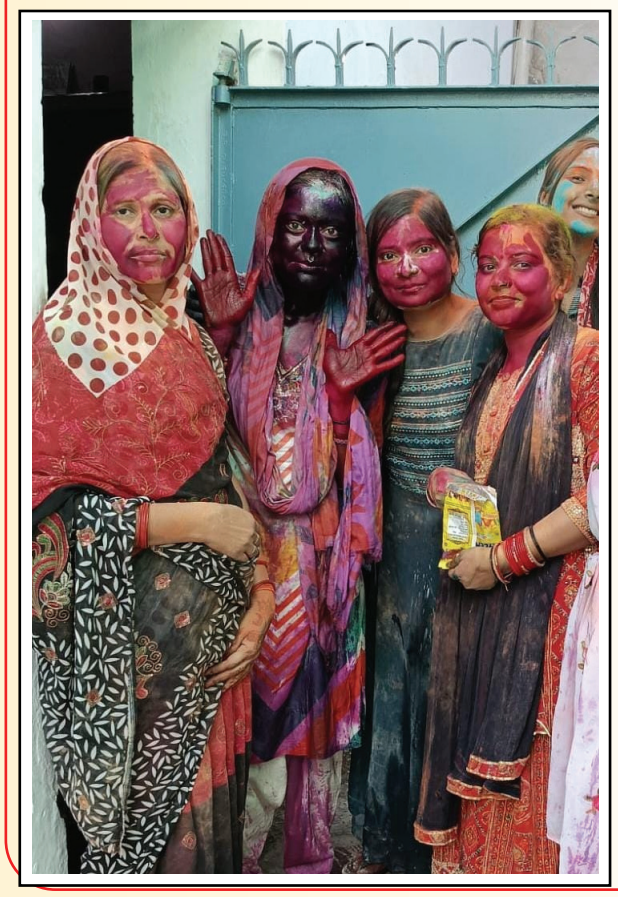

डीघ में फाग गाते होरियारे

फाग गीतों का महत्व.....

होली खिलखिलाकर और खुलकर मनाने का पर्व है। फाग गीतों में वही उत्साह और उमंग देखने को मिलता है। ब्रज क्षेत्र में खासतौर पर गाए जाते हैं। इन गीतों में राधा-कृष्ण की प्रेम लीलाएं, शिव-पार्वती की कथाएं और सामाजिक घटनाओं का चित्रण किया जाता है।फाग गीतों में उल्लास, व्यंग्य और हास्य का अद्भुत मेल होता है, जिसे 卐जोगीरा सरर्र...卐 के साथ गाया जाता है। जोगीरा का यह अंदाज फाग गीतों की खास पहचान है।

फाग गीतों की क्षेत्रीय विविधता...

होली का त्योहार विभिन्न रूपों में मनाया जाता है और इसी तरह फाग गीत भी हर क्षेत्र में अपने अलग रंग बिखेरते हैं।

फाल्गुन के महीना रसीले घर नहीं आए छैला छबीले...
आज बिरज में होली रे रसिया.
खेले मसाने में होरी, दिगंबर खेले मसाने में होरी

सबसे प्रसिद्ध फाग गीत जोगीरा सरर्र...
काहे खातिर राजा रूसे काहे खातिर रानी।
काहे खातिर बकुला रूसे कइलें ढबरी पानी॥

जोगीरा सरर्र.... आज बिरज में होली रे रसिया...
उड़त गुलाल लाल भए बादर,

केसर रंग में बोरी रे रसिया। बाजत ताल मृदंग झांझ ढप, और मजीरन की जोरी के रसिया।फाग गायन कर रहे संजीवन यादव, दिनेश पांडे, अश्वनी शुक्ल, मान सिंह यादव,फाग गीत न केवल होली के रंग को और चटक बनाते हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रतीक हैं। आधुनिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के बावजूद फाग गीतों का महत्व बरकरार है। इन पारंपरिक गीतों को संजोना और अगली पीढ़ी को सिखाना हमारी जिम्मेदारी है ताकि होली का यह रंगीला पर्व अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखे मोंटी द्विवेदी, ब्यास जी, गोविंद मिश्र, अखिलेश, आनंद, अभय पांडेय, सुमित, बऊअन आदि मौजूद रहे।

भाई दूज कल मनाया जाएगा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भाई दूज को भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। होली के बाद यानी चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भाई दूज मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन जो बहनें अपने भाई को तिलक कर उसके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं उसका जीवन सुखमय बनता है।

ज्योतिष सेवा संस्थान के संस्थापक व अध्यक्ष आचार्य पवन तिवारी ने बताया कि होली के बाद भाई दूज 16 मार्च 2025 को है। इस दिन चैत्र कृष्ण द्वितीया तिथि 15 मार्च 2025 को दोपहर 2:33 बजे से शुरू होकर 16 मार्च तक शाम 4:58 बजे तक रहेगी। होली भाई दूज के दिन सुबह 7: 58 से दोपहर 12: 28 तक तिलक करने का शुभ मुहूर्त है। यह त्योहार भाई-बहन के प्यार और स्नेह का प्रतीक है।होली भाई दूज के दिन भाई को घर पर भोजन के लिए आमंत्रित करें और फिर आदर सम्मान के साथ कुमकुम का तिलक करें, अक्षत लगाएं और मिठाई खिलाएं। गुलाल लगाएं और फिर आरती उतारकर ईश्वर से भाई-बहन के रिश्तों को मजबूत बनाए रखने और खुशहाली की कामना करें।ध्यान रहे भाई को चौकी पर बैठाकर ही तिलक लगाना चाहिए, न कि खड़े होकर या कुर्सी पर बैठाकर। तिलक करते समय भाई का मुख उत्तर या उत्तर पश्चिम दिशा में होना चाहिए।राहुकाल और भद्रा में भाई को तिलक कभी न करें। ये अनिष्ट को न्यौता देने जैसा है इससे रिश्तों में दरार आ सकती है और राहुकाल का समय शाम 5.00 से शाम 6.30 बजे तक है।

तेज रफ्तार कार ने हाईवे किनारे खड़े ऑटो में मारी टक्कर, चाचा-भतीजे समेत तीन की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। होली के दिन सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ। जहां हाईवे किनारे खड़े ऑटो में तेज रफ्तार सफारी कार ने टक्कर मार दी। जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन आसपास के लोगों ने पुलिस की मदद से चारों को हैलट अस्पताल पहुंचाया। जहां चाचा भतीजे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं एक भतीजी की हालत गंभीर बनी हुई है। परिवार को हादसे में मौत की सूचना मिली तो कोहराम मच गया।

बिधनू के जामू गांव निवासी ऑटो चालक 39 वर्षीय रंजीत सिंह कछवाह उर्फ भूरा गांव से खेतों में इस्तेमाल होने वाली नैनो यूरिया लेकर अपनी ऑटो से नौबस्ता हंसपुरम निवासी पारिवारिक भतीजे 28 वर्षीय विनय सिंह कछवाह, द्विवेदी नगर निवासी दोस्त 31 वर्षीय सौरभ अवस्थी के साथ बिनगवां निवासी पारिवारिक भतीजे 27 वर्षीय अंकित सिंह कछवाह के यहां गए थे। परिजनों ने बताया कि चारों हाईवे किनारे ऑटो खड़ी कर बैठकर बातचीत कर रहे थे।

इसी दौरान नौबस्ता की तरफ से आ रही तेज रफ्तार सफारी कार ने हाईवे किनारे खड़ी ऑटो में सामने से टक्कर मार दी। जिसमें चारो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी, कि सफारी कार पलट गई, जिसमें दो बाइकें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद चालक सफारी कार को छोड़कर उसमें सवार साथियों समेत मौके से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त ऑटो में फंसे चारों लहूलुहान घायलों को ऑटो काटकर निकालने के बाद एंबुलेंस से बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान विनय सिंह की मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों की नाजुक हालत देख डॉक्टरों ने तुरंत सभी को हैलट रेफर कर दिया।

हैलट में रंजीत सिंह और सौरभ अवस्थी ने भी दम तोड़ दिया। वही गंभीर रूप से घायल अंकित जिंदगी और मौत से अस्पताल में संघर्ष कर रहा है। हादसे में मौत की जानकारी पर तीनों के परिवारों में कोहराम मच गया।

मृतक विनय के छोटे भाई नीरज की तहरीर पर पुलिस ने सफारी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इस संबंध में सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी कुशलपाल सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार चालक का पता लगाया जा रहा है। हादसे के बाद मौके पर लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाबुझाकर शांत करा दिया।

चीखपुकार मची तो निकले सबके आंसू

हादसे में तीनों की मौत के बाद सूचना पर परिवार में चीखपुकार मच गई। सौरभ अवस्थी के मौसा संदीप मिश्रा ने बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था। 6 दिसंबर 2024 को उसकी अंशिका से शादी हुई थी। पिता सुधीर अवस्थी बिसनेसमैन हैं। सौरभ की मौत से मां मंजू व पत्नी अचेत हो गईं। इसी तरह रंजीत सिंह की मौत के बाद पत्नी सरिता व बच्चे युवराज और वैशाली भी आंसू बहाते रहे। वहीं विनय की मौत के बाद पत्नी माधुरी, बेटी मानवी, मां लक्ष्मी का रो-रोकर बुरा हाल था। विनय बीनू और नीरज से दूसरे नंबर के थे।

नौबस्ता के गैराज में आई थी बनने सफारी

जिस सफारी कार ने ऑटो में टक्कर मारी थी। वह नौबस्ता स्थित किसी गैराज में बनने आई थी। उसी गैराज के मैकेनिक साथियों के साथ कार लेकर निकले थे। हादसे के बाद लोगों के बीच ऐसी चर्चा बनी हुई थी। वहीं कुछ लोग यह भी चर्चा कर रहे थे, कि सफारी किसी अन्य कार से रेस लगा रही थी। लेकिन इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है। सेनपश्चिम पारा थाना प्रभारी के अनुसार कार नंबर के आधार पर कार मालिक का पता जनपद उन्नाव का निकला था।

पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर हुई कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। होली पर्व को लेकर गुरुवार रात से शहर के प्रमुख रामादेवी चौराहा,घंटाघर चौराहा, सचान गेस्ट हाउस चौराहा, साइट नंबर वन चौराहा, भौती बाईपास चौराहा, इंदिरा नगर मोड़, गोल चौराहा ,राजीव पेट्रोल पंप तिराहा, टाटमिल चौराहा, नरोना चौराहा, दादा नगर चौराहा, आईआईटी गेट, जरीब चौकी चौराहा, कंपनी बाग चौराहा आदि स्थानों पर ब्रेथ एनालाइजर मादक द्रव्यों का सेवन कर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट ने चेकिंग अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नागरिकों से अपील है, कि यातायात नियमों

का पालन करें और जिम्मेदारीपूर्वक वाहन चलाएं। ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत कुल 47 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने कानपुर वासियों से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित होली मनाएं। शराब पीकर गाड़ी न चलाएं। निर्धारित गति सीमा से तेज गाड़ी न चलाएं। गलत दिशा में वाहन कतई न चलाएं। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन न चलाएं। ।एसीपी यातायात कृष्ण कांत ने परेड चौराहा का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात को लेकर निर्देश दिए। जीटी रोड, राष्ट्रीय राजमार्गों पर अनधिकृत रूप से खड़े भारी वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। टीआई पूर्वी जोन ने कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर, टीआई दक्षिण जोन ने बाकरगंज से यशोदा नगर, टीआई पश्चिम जोन ने भौती हाईवे पर सड़क के किनारे खड़े भारी वाहनों को हटवाया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

हादसा

होली की खुशियां मातम में बदली...

मूसानगर में यमुना नदी स्नान करने गए चार युवक डूबे,दो की मौत

»पुलिस व एनडीआरएफ की टीमें लापता युवक की तलाश में जुटी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर में होली के मौके पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। मुक्ता देवी यमुना घाट स्नान करने गए चार दोस्तों सचिन,मनीष, जतिन और प्रिंस में दो की नदी में डूबकर मौत हो गई।मृतकों की पहचान मनीष व जतिन के रूप में की गई है।जबकि एक युवक लापता है और एक को सकुशल बरामद कर लिया गया है।

घटना शुक्रवार को हुई जब चार दोस्त मुक्तादेवी यमुनाघाट स्नान करने के लिए गए थे। अचानक गहरे पानी में चले जाने से वे डूबने लगे।सचिन नाम का एक युवक किसी तरह नदी से बाहर निकलने में सफल हो गया।उसने तुरंत स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी दी।स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलने पर एसडीएम भोगनीपुर जीतेंद्र कटियार और क्षेत्राधिकारी संजय कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए।गोताखोरों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया।तलाशी अभियान में दो युवकों के शव बरामद हुए हैं।एक युवक अभी भी लापता है।

पुलिस प्रशासन गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश की जा रही है।सभी युवक मूसानगर के रहने वाले थे।हादसे से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।प्रशासन ने परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडे, क्षेत्राधिकारी संजय कुमार सिंह उप जिलाअधिकारी जितेंद्र कुमार कटियार, क्राइम इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह मौके पर रहे मौजूद

क्या बोले अफसर ...

सीओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गोताखोरों की मदद से लगातार तलाशी अभियान चला रही है।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सावधानी बरतें और बिना सुरक्षा उपायों के गहरे पानी में न जाएं।

राकेश सचान कैबिनेट मंत्री ने परिवार के साथ दुख प्रकट किया

मुक्तादेवी घाट पर स्नान के दौरान हुई दुखद दुर्घटना में तीन युवाओं की आकस्मिक मृत्यु का हृदय विदारक समाचार प्राप्त हुआ। शोकाकुल परिवारों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं एवं इस कठिन घड़ी में उन्हें संबल प्रदान करने का प्रयास किया।ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।

स्ट्रीट लाइट ठीक करने के विवाद में लाठी-डंडे व कुल्हाड़ी चली

छह महिलाओं समेत 10 घायल सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र के कल्याणपुर गांव में हुई घटना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र के कुरिया चौकी क्षेत्र के कल्यानपुर गांव में सोमवार देर शाम घर के बाहर बिजली पोल में लगी स्ट्रीट लाइट ठीक करने के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर लाठी डंडे और कुल्हाड़ी चल गई।

घटना में दोनों पक्षों को मिलाकर छह महिलाओं समेत 10 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराया। इसके बाद तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

कल्यानपुर गांव निवासी रमेश ने पुलिस को बताया कि सोमवार देर शाम पड़ोसी संदीप यादव बिजली पोल में लगी स्ट्रीट लाइट ठीक को ठीक कर रहे थे। इसी दौरान पोल में लगी केबिल हिलने से उनके घर की बिजली गुल हो गई। इस पर उन्होंने विरोध किया तो संदीप ने गालीगलौज शुरू कर दी। कहासुनी के दौरान संदीप, पत्नी पूनम, भाई मुकेश, पिता छोटे यादव और कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसे पीटना शुरू कर दिया।

शोर सुनकर पत्नी संगीता, बेटी कंचन, भाई राजकुमार, बहू मुन्नी, रोशनी, भतीजी सोनम, भतीजा रिंकू बचाने के लिए भागे। जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे और कुल्हाड़ी चल गई। जिसमे दोनों पक्षों में छह महिलाओं समेत 10 लोग घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टर ने पूनम, संगीता, रोशनी, कंचन और रिंकू को उर्सला रेफर कर दिया। इस संबंध में सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी कुशलपाल सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर घटना की जांच की जांच रही है।

भाई ने बहन की गर्दन काटकर की हत्या

» मर्डर करने के बाद पहुंचा गजनेर थाना

» आपत्ति जनक स्थिति देख कर भाई ने आपा खोया

पति के निधन होने के बाद रजनी अपने गांव गजनेर में अपने मां पिताजी व भाइयों के साथ रह रही थी

संवाददाता स्वराज इंडिया

सरवनखेडा /माती। कस्बा गजनेर में बृहस्पतिवार शाम को करीब 6-00 बजे के आसपास गजनेर बाजार की गल्ला मंडी के पास मकान बना कर रह रहे बाल्मिक समाज के एक परिवार ने भाई ने अपनी बहन को बाका से गर्दन पर वार करके काट दिया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्या करने वाले भाई को पकड़ कर हिरासत में लिया है। वहीं शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

बहन का हत्यारोपी

मृतक महिला की फाइल फोटो

कस्बा गजनेर निवासी रामखेलावन बाल्मिक की बेटी रजनी उम्र 28 वर्ष की शादी करीब 5 वर्ष पूर्व सरगंवा थाना घाटमपुर में हुई थी लेकिन कुछ समय बाद पति का निधन होने के बाद रजनी अपने गांव गजनेर में अपने मां पिताजी व भाइयों के साथ रह रही थी। गुरुवार को शाम करीब 6-00 बजे के आसपास उसके भाई वीरेंद्र उर्फ नूरन ने आपत्ति जनक अवस्था में बहन को किसी के साथ देखने पर आपा को बैठा ऐसा प्रत्यदर्शी ग्रामीणों ने बताया और घर से बांका गंडासा लेकर बहन के गर्दन पर वार करने लगा जिससे उसकी बहन रजनी की मौके पर मौत हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। वही जानकारी पर को सीओ सदर प्रिया सिंह ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की हत्यारोपित को हिरासत में ले लिया गया है और थाने में बैठाया गया है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि मारने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर देहात एसपी की पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कड़ी कार्यवाही

अपराध को अंजाम देने वाला अपराधी वीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि उर्फ न्यूरन पुत्र रामखिलावन निवासी गजनेर का रहने वाला है। जब पुलिस द्वारा कड़ी पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि उर्फ न्यूरन पुत्र रामखिलावन निवासी कस्बा व थाना गजनेर जनपद कानपुर देहात ने पूछताछ करने पर बताया कि मैं कक्षा 5 तक पढ़ा हूं। हम सात भाई व चार बहन हैं। मेरी बहन रजनी की शादी 5-6 वर्ष पहले अरविन्द पुत्र देवी प्रसाद निवासी सरगवा थाना घाटमपुर जनपद कानपुर नगर के साथ हुई थी।

कोराना महामारी में अरविन्द की मृत्यु हो गई और तब से मेरी बहन रजनी मेरे घर पर ही रह रही थी। वह मेरी बात नहीं मानती थी, उसके व मेरे मध्य निजी कारणों को लेकर झगड़ा हो गया था तथा वह लड़-झगड़कर मेरे बड़े पापा जो पुराने अस्पताल में रहते हैं। उनके घर पर आ गई थी। मैंने वापस बुलाया तो नहीं आई। फिर मैंने अपने घर आकर, घर से बांका उठाकर उसकी हत्या करने के लिए बड़े पापा के घर की ओर गया। जब मैं गल्ला मण्डी पैंठ बाजार के पास पहुँचा तो रजनी मुझे आती दिखाई दी मैंने बराबर में पहुँच कर एक बांका उसके पीछे गर्दन पर मारा और वह गिर गई उसके बाद मैंने कई वार उसके चेहरे, गर्दन व शरीर पर किये जिससे वह मौके पर ही मर गई। उसकी हत्या करने के बाद मैं बांके को लेकर थाने पर आकर अपने आपको थाने पर हाजिर कर दिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस गजनेर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव , ऊ0 नि0 यतेंद्र सिंह यादव , का0 नि0 साहिल पकड़ कर हवालात में डाला गया।

गजनेर हत्याकांड मे घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को थाना गजनेर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई करती हुई

कानपुर देहात एसपी की अपराधियों के विरुद्ध जारी है कड़ी कार्यवाही

गजनेर हत्याकांड मे घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को थाना गजनेर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई करती हुई

सचिन सिंह चौहान, स्वराज इंडिया

सरवनखेडा/माती। ग्राम पंचायत गजनेर में बृहस्पतिवार को हुए घटना को लेकर पुलिस द्वारा अपराधी पर कार्रवाई जारी है। पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में जनपद कानपुर देहात में अपराध नियन्त्रण की दिशा में घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, दिनांक 13 तारीख को वादी राम खिलावन पुत्र स्व0 पूसेलाल बाल्मीकि निवासी कस्बा व थाना गजनेर जनपद कानपुर देहात ने थाना गजनेर पर तहरीर दी कि उसके पुत्र वीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि उर्फ न्यूरन ने अपनी बहन रजनी की हत्या कर दी है। जिसके संबंध में थाना गजनेर पर मु0अ0सं0 0067/2025 धारा 103(1) बी0एन0एस0 बनाम 01 नफर नामजद अभियुक्त वीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि उर्फ न्यूरन उपरोक्त पंजीकृत किया गया।

घटना के पश्चात अभियुक्त वीरेन्द्र कुमार बाल्मीकी उर्फ न्यूरन पुत्र रामखिलावन निवासी कस्बा व थाना गजनेर जनपद कानपुर देहात उम्र करीब 20 वर्ष मय आलाकत्ल के थाना गजनेर पर आकर आत्मसमर्पण किया अभियुक्त वीरेन्द्र उपरोक्त को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए हिरासत में लिया गया।

गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया।

अपराध को अंजाम देने वाला अपराधी वीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि उर्फ न्यूरन पुत्र रामखिलावन निवासी गजनेर का रहने वाला है। जब पुलिस द्वारा कड़ी पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि उर्फ न्यूरन पुत्र रामखिलावन निवासी कस्बा व थाना गजनेर जनपद कानपुर देहात ने पूछताछ करने पर बताया कि मैं कक्षा 5 तक पढ़ा हूं। हम सात भाई व चार बहन हैं।

मेरी बहन रजनी की शादी 5-6 वर्ष पहले अरविन्द पुत्र देवी प्रसाद निवासी सरगवा थाना घाटमपुर जनपद कानपुर नगर के साथ हुई थी। कोराना महामारी में अरविन्द की मृत्यु हो गई और तब से मेरी बहन रजनी मेरे घर पर ही रह रही थी।

वह मेरी बात नहीं मानती थी, उसके व मेरे मध्य निजी कारणों को लेकर झगड़ा हो गया था। तथा वह लड़-झगड़कर मेरे बड़े पापा जो पुराने अस्पताल में रहते हैं। उनके घर पर आ गई थी। मैंने वापस बुलाया तो नहीं आई। फिर मैंने अपने घर आकर, घर से बांका उठाकर उसकी हत्या करने के लिए बड़े पापा के घर की ओर गया। जब मैं गल्ला मण्डी पैंठ बाजार के पास पहुँचा तो रजनी मुझे आती दिखाई दी मैंने बराबर में पहुँच कर एक बांका उसके पीछे गर्दन पर मारा और वह गिर गई उसके बाद मैंने कई वार उसके चेहरे, गर्दन व शरीर पर किये जिससे वह मौके पर ही मर गई।

उसकी हत्या करने के बाद मैं बांके को लेकर थाने पर आकर अपने आपको थाने पर हाजिर कर दिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस गजनेर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव , ऊ0 नि0 यतेंद्र सिंह यादव , का0 नि0 साहिल पकड़ कर हवालात में डाला गया।

होली और जुमा में सकुशल निगरानी करते रहे एडीजी और डीआईजी

» डीआईजी केशव कुमार चौधरी और एसएसपी/डीआईजी सुधा सिंह भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

झांसी। होली का त्यौहार पर रंगों की बरसात व जुमा की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न हुई। इसके लिए जगह-जगह सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस बल तैनात रहा। साथ ही डीआईजी केशव कुमार चौधरी और एसएसपी/डीआईजी श्रीमती सुधा सिंह भारी पुलिस बल के साथ पैदल गस्त करते रहे।शुक्रवार को रंगों का महापर्व होली पर जनपद में लोग सारे गिले शिकवे भूल कर एक दूसरे को गुलाल अबीर लगाकर बधाई शुभकामनाएं देकर गले मिल रहे थे। वही रमजान के चलते जुमा की नमाज भी अदा होनी थी।त्यौहार पर कोई खलल पैदा न हो,अराजकतत्व शांति व्यवस्था एवं सौहार्द को न बिगाड़ सके। इसके लिए लगातार पुलिस व्यवस्था सुरक्षा में मुस्तैद रही।

वही मिश्रित आबादी वाले इलाका गोविंद चौराहे पर नमाज के समय नमाजियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था में भारी पुलिस बल तैनात रहा।साथ ही जनलोकप्रिय डीआईजी केशव सिंह चौधरी और एसएसपी/डीआईजी श्रीमती सुधा सिंह भारी पुलिस बल के साथ देर रात्रि तक पैदल गस्त कर लगातार सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।इस दौरान डीआईजी ने बताया कि जनपद झांसी और रेंज में आने वाले जिला जालौन,ललितपुर तीनो जिलों में होली का त्यौहार और जुमा की नमाज शान्ति व्यवस्था के साथ संपन्न हुए।इसके लिए उन्होंने पूर्व से पुलिस बल को अलर्ट करते हुए जगह जगह तैनात किया था।उन्होंने कहा कि होली का पर्व आपसी भाई चारे के साथ मनाया गया।ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि कानपुर जोन के अंतर्गत आने वाले सभी जनपदों में होली और रमजान के पर्व को तेजतर्रार छवि के कर्तवनिष्ठ एडीजी आलोक सिंह को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना किसी चैलेंज से कम नहीं था।एडीजी ने शुक्रवार सुबह से लेकर देर रात्रि तक निगरानी करते नजर आए।जिससे छुटपुट घटनाओं को छोड़कर कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और जनता भी खुश नजर आ रही है.

प्यार में दीवाने औरंगजेब की, अधूरी लव स्टोरी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर अक्सर विवाद होता रहता है, लेकिन आज हम आपको उसी बादशाह, जो काफी बेरुखे मिजाज के बताए जाते हैं।उनकी प्रेम कहानी के बारे में बतायेगे। इतिहासकारों के मुताबिक यूं तो औरंगजेब ने तीन शादियां की थीं, लेकिन उनका पहला प्यार इन तीनों पत्नियों में से एक भी नहीं था। बल्कि उनका पहला प्यार कोई और महिला थी।और औरंगजेब को पहला प्यार तब हुआ था, जब वह कोई बादशाह नहीं थे। और अपनी जवानी के दिनों में खुद के लिए संघर्ष कर रहे थे।

एक तरफ जिंदगी से संघर्ष और दूसरी ओर उन्हें एक ऐसी महिला से प्यार हुआ, जो उन्हें कभी नहीं मिलीं।और उसने औरंगजेब को एक-दो नहीं बल्कि कई बार ठुकराया, लेकिन बादशाह औरंगजेब फिर भी अपने पहले प्यार को कभी नहीं भूल पाए।इसके साथ ही बादशाह औरंगजेब का पहली बार एक तवायफ पर दिल आया था, जिसका नाम हीराबाई जैनाबादी था। और हीरा बाई ईसाई धर्म को मानती थी। ये भी कहा जाता है कि हीराबाई बेहद खूबसूरत थीं और उनकी आवाज दिल को छू लेने वाली थी। उनके नृत्य का हर कोई दीवाना था।और उनकी अदाएं ऐसी थीं, जो लोगों के दिलों को घायल कर देती थीं। और हीरा बाई औरंगाबाद में उनके मौसा के हरम में रहती थी। जब उन्हें हीरा बाई से प्यार हुआ, तो वह जवान थे।और उनकी बहादुरी मशहूर थी। औरंगजेब के पिता शाहजहां के सबसे प्रिय उनके बड़े बेटे दारा शिकोह थे। और औरंगजेब दिल्ली की राजनीति से तो थक ही गए थे, साथ ही अपने पिता की बेरुखी से भी वह टूट चुके थे।और इसके बाद जब औरंगजेब दोबारा दक्खन भेजे गए तो वह बिना मन से ही गए। और उन पर लिखी एक किताब में इस दौरान का जिक्र किया गया है।ये भी बता दें कि फ्रदो सुल्तान, दो बादशाह और उनका प्रणय परिवेशफ्र हेरम्ब चतुर्वेदी ने अपनी किताब में दक्कन पहुंचने और उनके पहले प्यार का भी जिक्र भी किया है। और दक्कन औरंगजेब अजीब मन से पहुंचे थे।औरंगजेब अपनी मौसा-मौसी के काफी करीब थे और दोनों से उनके अच्छे ताल्लुकात थे। वह अपनी मौसी से मिलने के लिए जैनाबाद, बुरहानपुर गए।और वहां वह एक दिन घूमते-घूमते जैनाबाद-बुरहानपुर के हिरन उद्यान में पहुंच गए, यहीं उनकी पहली मुलाकात उनके पहले प्यार से हुई। वहां उन्होंने हीराबाई को पहली बार देखा। उनका खूबसूरत चेहरा, मनमोहक संगीत और दिलकश अदाएं।वह जैनाबादी हरम की बाकी महिलाओं के साथ वहां आई। आम के पेड़ से एक आम तोड़ा, फिर दिलकश अंदाज से गाना भी गाया। और उनके इस अंदाज को देख औरंगजेब उनकी

ओर खिंचते चले गए।

इतना ही नहीं औरंगजेब हीराबाई तवायफ के इस कदर दीवाने हो गए थे कि उनका दिन का चैन और रातों की नींदें उड़ गई थीं। और आलम ये था कि औरंगजेब जब तक उसे न देख लें, तब तक उन्हें नींद नहीं आती थी।और औरंगजेब जैनाबादी की इश्क में पूरी तरह डूब चुके थे। वह औरंगजेब के मौसा के दरबार में मनोरंजन करती थी, लेकिन जब औरंगजेब ने हीराबाई को देखा और उनके दीवाने हो गए तो हीराबाई को उन्हीं के पास छोड़ दिया था।और हीराबाई एक अल्हड़ उम्र की तवायफ थी। औरंगजेब को जब भी अपने काम से फुरसत मिलती थी। वह कहीं और नहीं बल्कि सिर्फ और सिर्फ हीराबाई के साथ ही वक्त गुजारते थे। हीराबाई जो कहती औरंगजेब वही करते थे।

और एक दिन उसने औरंगजेब को प्यार की कसम देकर मदिरा का प्याला उनके हाथों में दिया और पीने के लिए कहा। और फिर औरंगजेब जितना सख्त होकर बोलते। वह उतनी अदाएं और प्यार भरे अंदाज से उन्हें पीने के लिए बोलती।

इसके साथ ही हारीबाई औरंगजेब के प्यार का इम्तिहान ले रही थी, लेकिन जैसे ही औरंगजेब ने मदिरा का प्याला अपने होठों से लगाया, हीराबाई ने उसे छीनकर फेंक दिया और कहा कि मैं बस तुम्हारे प्यारा का इम्तिहान ले रही थीं।

जैसे-जैसे दिन गुजरते जा रहे थे। औरंगजेब और हीराबाई का प्यार और गहरा होता जा रहा था। उनके प्यार की जानकारी उनके पिता शाहजहां तक पहुंच गई थी।और अब औरंगजेब हर शाम अपना खाली वक्त सिर्फ हीराबाई के साथ ही गुजारते थे, लेकिन एक दिन हीराबाई की बीमारी की वजह से मौत हो गई, जिसके बाद औरंगजेब बुरी तरह टूट गए और उन्होंने बहुत मुश्किल से खुद को संभाला।

और इस बारे में अहकाम के लेखक ने भी लिखा है। साथ ही उनके पहले प्यार के बारे में भी कई बार चर्चा भी होती है। औरंगजेब के पहले और अधूरे प्यार के किस्से कई जगह पर मिलते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने दिया रंगो के महापर्व होली पर राजनीतिक संदेश

कोसने वालों ने भी महाकुंभ में देखा सनातन धर्म का सामर्थ्य

» विशेष संवाददाता स्वराज इंडिया।

गोरखपुर/लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म जितनी समृद्ध पर्व-त्योहारों की परंपरा दुनिया के किसी भी अन्य देश में या मत, मजहब के पास नहीं है। हमारी आस्था ही सनातन धर्म की ताकत है और आस्था की आत्मा पर्व, त्योहार में है। सनातन पर्व परंपरा में दक्षिण से उत्तर तक, पूरब से पश्चिम तक वर्षभर उत्साह और उमंग से जुड़ने का अवसर भारतवासियों को प्राप्त होता है।

सीएम योगी शुक्रवार को होली के पावन महापर्व पर घंटाघर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व श्री होलिकोत्सव समिति की ओर से निकलने वाली भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सभी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए सीएम ने कहा कि पौराणिक गाथा के अनुसार भारत में जन्म लेना दुर्लभ बहुत है। और उसमें भी दुर्लभ है मनुष्य रूप में सनातन धर्म में जन्म लेना। जो लोग सनातन को कोसते थे उन्होंने भी प्रयागराज महाकुंभ में सनातन का सामर्थ्य देखा है। प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया और पुण्य के भागीदार बने। दुनियाभर में कहीं भी, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी जाति का, किसी भी भाषा को बोलने वाला सनातनी रहा हो, उसने प्रयागराज में आकर त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर जीवन को धन्य बनाया है।

सीएम ने उतारी भगवान नृसिंह की आरती, जमकर खेली होली

लोगों को होली की बधाई देने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान नृसिंह की विधिविधान से आरती उतारी। उन्हें नारियल, गुझिया के साथ फूल, फल, रंग, अबीर, गुलाल अर्पित किया। भगवान नृसिंह की पूजा करने के बाद सीएम योगी पूरी तरह होली के माहौल में रम गए। उन्होंने लोगों के ऊपर जमकर फूल की पंखुड़ियां, अबीर, गुलाल उड़ाई। सभी ने होली का खूब आनंद लिया।

इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ल, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, कालीबाड़ी के महंत रवींद्रदास, विधायक विपिन सिंह, काशी से आए जगद्गुरु स्वामी संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक डॉ महेंद्र अग्रवाल, दक्षिण भाग संघ चालक ओम जालान, होलिका उत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज जालान, सह प्रांत प्रचारक सुरजीत, रसेंदु फोगला, आत्मा सिंह आदि भी मौजूद रहे।

दुनिया ने देखी सनातन धर्म की सद्भावना: रमेश जी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश जी ने कहा कि ऐतिहासिक महाकुंभ के आयोजन के बाद यह होली अत्यंत विशेष है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में दुनिया ने सनातन धर्म का दर्शन किया और सनातन धर्म की सद्भावना देखी।

होली का एक ही सन्देश, एकता से आगे बढ़ेगा देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों के के प्रति अपनी मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि होली का एक ही संदेश, एकता से ही आगे रहेगा यह देश। उन्होंने कहा कि अगर देश अखंड रहेगा तो एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना अवश्य पूरी होगी। उन्होंने भगवान नृसिंह के अवतार का उल्लेख करते हुए कहा कि यह चेतावनी भी है कि हिरण्यकश्यप जैसे लोगों का घमंड नहीं टिक सकता और एक उदाहरण भी है कि यदि भक्त प्रहलाद के अनुरूप सत्य के मार्ग का अनुसरण किया जाएगा तो ईश्वर की कृपा जरूर बरसेगी।

महाकुंभ में अद्भुत मर्यादा और अनुशासन देखने को मिला

सीएम ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ को दुनिया विस्मयकारी भाव से, कौतूहल भरी निगाहों के साथ देख रही थी। जबकि सनातन धर्म के लोग इस महाकुंभ के माध्यम से पूरे विश्व को एकता का संदेश देने के लिए जुड़े हुए थे। प्रयागराज में अद्भुत मर्यादा और अद्भुत अनुशासन देखने को मिला। वहां ऐसी एक भी घटना नहीं हुई जिसके कारण सनातनी लोगों को सिर नीचे करना पड़ता।

ऊंट पर सवार हो निकले ब्रजेश पाठक, हैट में दिखे केशव प्रसाद मौर्य

होली पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ऊंट पर सवार हो निकले। उन्होंने अपने अनोखे अंदाज में होली मनाई। लखनऊ में जमकर रंगों का धमाल मचाया। होली पर डिप्टी सीएम का ये खास अंदाज लोगों को खूब पसंद आया। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी जमकर होली खेली। इस दौरान वह हैट लगाए हुए नज़र आए। दोनों डिप्टी सीएम ने जनता को होली की शुभकामनाएं दीं और जमकर होली का आनंद लिया।

शोहरतगढ़: पीडीए चर्चा कार्यक्रम में मनाई कांशीराम की जयंती

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

शोहरतगढ़। दलितों, वंचितों, शोषितों का एकीकरण कर उनके उत्थान और विकास के लिए मान्यवर कांशीराम का पूरा जीवन समर्पित रहा। उनका जीवन बहुजन वैचारिकी के लिए एक आदर्श है। उन्होंने समाज के कमजोर तबके को हक्क और सम्मान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। दलित समाज की चेतना जागृत कर उन्होंने बहुजन मूवमेंट को मजबूत किया। यह बातें समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' ने मान्यवर कांशीराम जयंती पर कहा। मिश्रा ने कहा कि समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव के नेतृत्व में मान्यवर कांशीराम के विचारों को आगे बढ़ा रही है। आज शोहरतगढ़ विधानसभा के नदवलिया गांव में आयोजित पीडीए चर्चा कार्यक्रम में मान्यवर कांशीराम की जयंती मनाई गई।

बहुजन विचारक कांशीराम के 92वीं जयंती अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित किया गया। शोहरतगढ़ समाजवादी पार्टी कैंप कार्यालय पर भी जयंती सादगी से मनाई गई।

इस अवसर पर सर्वश्री गोपाल फौजी जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ, जोन प्रभारी राकेश दूबे, राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा अजय चौरसिया, जयश्री गुप्ता, अभिनय कुमार, विद्यासागर भारती, मिठाई, विजय प्रकाश, अब्दुल मोबीन, तौलेश्वर भारती, दुःख्खू पासवान, राम संवारे, मुकेश पासवान, राजकपूर भारती, अवधराम भारती, विशाल, राम केतार गुप्ता सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुलिस वाले ने वकील को पीटने पर हंगामा, नौ पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

विभूतिखंड थाने में शुक्रवार रात पुलिस और वकीलों के बीच पहले जमकर कहासुनी हुई और फिर सैकड़ो की संख्या में वकीलों ने थाने में जमकर हगांमा और नारेबाजी की। इस दौरान कई बार उनकी पुलिस वालों से नोकझोंक हुई। जानकीपुरम के रहने वाले अधिवक्ता सौरभ कुमार वर्मा के मुताबिक, उनके तीन जाने वाले अधिवक्त मारपीट के मामले में विभूतिखंड थाने आए थे। आरोप है की थाने पर पुलिस तीनो वकीलों को पकड़ लिया। खबर पाकर सौरभ उनकी पैरवी में थाने पहुच गए। उनका आरोप है कि थाने में पुलिस वालों ने उनका पकड़ लिया और बेहरमी से पीटा।

अधिवक्ता के साथ मारपीट की खबर पाकर सैकड़ो की संख्या में अधिवक्ता पहुंच गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। नाराज वकीलों ने आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान थाने के अंदर कई बार पुलिस और वकीलों के बीच झड़प हुई। रात करीब 9.30 बजे नाराज वकीलों ने आईजीपी चौराहे पर जाम लगा दिया और प्रदर्शन किया। कई घंटे चले हंगामे के बाद नौ पुलिस वाले के अलावा कुछ अज्ञात पुलिस वालों पर एफआईआर दर्ज की गई। यह हंगामा देर रात तक चलता रहा। एफआईआर होने के बाद वकील शांत हुए।